नई दिल्ली में 23 अप्रैल 2007 को पहला अमेरिका-भारत उड्डयन भागीदारी सम्मेलन हुआ। अमेरिकी फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेटर मैरियन सी. ब्लैकी इस मौके पर भारत के नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल और यहां के तेज़ी से विकास की ओर अग्रसर उड्डयन जगत के अन्य प्रतिनिधियों से मिले। इस अवसर पर ब्लैकी ने कहा, ''विकास के साथ चुनौतियां भी सामने आती हैं और ऐसा मैं अपने अनुभव के आधार पर कहता हूं। अमेरिका में हमारा नेशनल एयरस्पेस सिस्टम एक दिन में 55,000 उड़ानों का प्रबंधन करता है। सर्वाधिक यातायात के समय एकसाथ पांच हज़ार से सात हजार विमान आकाश में मंडराते हो सकते हैं। इस तरह के यातायात से आप समझ सकते हैं कि हम क्यों लगातार अपनी मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने पर ज़ोर देते रहते हैं। पूर्वानुमान है कि अमेरिका के हवाई यात्रियों की संख्या अब और 2020 के बीच तीन फ़ीसदी की दर से बढ़ेगी लेकिन भारत में हो रही बढ़ोतरी के मुकाबले यह बहुत कम है... हर किसी को अलग मसलों और सवालों से जूझना पड़ता है लेकिन हम सभी एक जैसे समाधानों की तलाश में रहते हैं- सुरक्षित और ज़्यादा कुशल प्रणाली की तलाश।''

गुरिंदर ओसान © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.